

कक्षा-आठवी
विषय- हिन्दी

पाठ-14. अकबरी लोटा

— अन्धुणानद वर्मा —

शब्दाश्रय

अद्बु - शिष्टाचार, लिहाज

डॉमलफौसी - आजीवन करावास का दंड

मुँडर - छत के आस-पास बनाई जाने वाली फीवार

सायबान - दृज्जा

खुराकाती - शरारती

गढ़न - बनावट

खांगांग - पूरी तरह, ऊपर से नीचे तक

झाड़ - खौज, अन्वेषण

पारसाल - पिछले वर्ष

तन्मयता - मन द्वारा जाना

अंतर्दृष्टि - अदृश्य

प्रकांड - अत्यधिक

खुक्ख - खाली

कुकड़ी - शौखी, उभ्रता

उद्धेड़ - हुन - शीघ्र विचार

मनीमत - शुक्र है

वजू - नमाज पढ़ने से पूर्व हाथ - पाँव धोना

ताली - चाबी

सिकड़ी - जांजीर

प्रेसनता की कुँची - लहूत खुश दौना

नखाशिरह - सिर से पैर तक

निरीट - कमज़ीर

साख - विश्वास

असमर्दी - पूरा करने में सक्षम न होना

पादयुस्तक के प्रश्न - अन्वयास

कहानी की बात

1. "लाला ने लौटा लै लिया, बीले कुछ नहीं; आपनी पत्नी का उदय मानते होंगे।"

लाला आङ्गला की बेटेंगा लौटा बिलकुल पर्सद नहीं था। फिर भी उन्होंने चुपचाप लौटा लै लिया। आपके विचार से वे चुप क्यों रहे? उपर्युक्त विचार लिखिए।

उत्तर:- लाला आङ्गला की बेटेंगा लौटा बिलकुल पर्सद नहीं था। फिर भी उन्होंने चुपचाप लौटा लै लिया, क्योंकि वे आपनी पत्नी का सम्मान करते थे। इसी सम्मान की सम्मता करा जाता है। पति की पत्नी का सम्मान करा भी चाहिए। इसके अतिरिक्त यह अन्य कारण था कि लाला भी अपनी तक रवयों का प्रबंध नहीं कर पाए थे, इसलिए भी वे विनम्र हो रहे थे। वे सीधे लड़ों कि यदि मैंने लौटा के बारे में कुछ कह दिया तो खाना बाली में ही खाना पड़ेगा। यही कारण था कि लाला आङ्गला चुपरहे।

2. "लाला आङ्गला भी ने फौरन दी ओर दी जोड़कर स्थिति की समझ लिया।"

आपके विचार द्वारा लाला आङ्गला ने कौन - कौन सी बातें समझती होंगी?

उत्तर:- दी ओर दी जोड़कर स्थिति समझना - उर्ध्वास परिवर्तन की भाँप खाना। जब लाला भी के हाथों से लौटा गिरने के बाद आँखें में भी रुक्ति हो गई और अंग्रेज न रुक्षित हो भी गा दुआ लौटा हाथ में लिए गालियाँ देता दुआ जा रहा था। लाला आङ्गला समझ गए कि कुछ गड़बड़ ही नहीं है। लौटा अंग्रेज के ऊपर गिरा था और वह जब लड़ने आया।

3. अंग्रेज के रासने बिलवासी भी ने लाला आङ्गला की पद्धति ने तक से क्यों बनकार कर दिया था? आपके विचार द्वारा बिलवासी भी ऐसा अभिव्यक्ति बनाए रखने की व्यष्टि कीजिए।

उत्तर:- दूसरे अंग्रेज के रासने पंडित बिलवासी भी ने लाला आङ्गला को पद्धति ने तक से बनकार कर दिया था, क्योंकि वे जानते थे कि घर्दि उन्होंने अंग्रेज से कह दिया कि वे लाला आङ्गला के मित्र हैं, तो वह उनसे कोई बात नहीं करेगा। अंग्रेज लाला भी को पुलिस के हवाले भी कर सकता था। अंग्रेज की उनकी चाल जापता था और उपर्युक्त मित्र की बचाव के लिए बिलवासी भी ने उसे अभिव्यक्ति बनाए रखा।

५. बिलवासी ने रुपयों का प्रबंध कहा से किया था? लिखिए।
उत्तर:- पंडित बिलवासी मिश्र लालाझाऊल के परम प्रिय है। दोनों
रुक-दूसरे से कुछ नहीं दिपाते हैं। अपने प्रिय की कठिनाई में देख
जौर उसकी आपवीती भुनकर पंडित बिलवासी मिश्र ने उनकी सहायता
करने का निश्चय किया। जब बिलवासी मिश्र के पास कहीं से भी
रुपयों का प्रबंध नहीं हुआ तो उन्होंने अपनी घतनी के संदर्भ में ही
छोटे रुपये चोरी किए। इस प्रकार पंडित बिलवासी मिश्र ने
रुपयों का प्रबंध किया।

६. आपके विचार से अंग्रेज ने यह पुराना लौटा क्यों खरीद
लिया? आपस में चर्चा करके वास्तविक कारण की खोज
कीजिए और लिखिए।

उत्तर:- अंग्रेज की पुरानी वर्तीतिहासिक वस्तुएँ खरीदने का
चाव था इसलिए उसने उस लौटा को खरीदा जिसका नाम बिलवासी
भी नहीं अकठरी लौटा 'रखा था। दूसरा कारण यह भी था कि
वह अपने पड़ोसी मैजर डगलस की नीचा दिखाना चाहता था।
वह उन्हें दिखाना चाहता था कि उसके शिवाय और कोई भी
है, जो पुरानी रुपये वर्तीतिहासिक वस्तुओं की खरीदकर भारत
से छोड़ लासकता है।

भाषा की छात

१. इस कहानी में तेरुक ने जगह-जगह पर सीधी-सी
जात कहने के बजाय रोचक पुष्टारणों, उदाहरणों आदि के द्वारा
कहकर अपनी भात की ओर आधिक मजेदार। रोचक बना दिया
है। यहां से तो बाक्य चुनकर लिखिए जो आपकी रागड़ी
आवक मजेदार लगे।

उत्तर।-

- इस समय अगर दूसरे द्वारा निकल भागते हैं तो पिर उले
क्या पूछ दिखलाएँगे।
- इस रिक्ती से तो आपका लौटा उस छोड़ चा बाप हुआ।
- यहां से तो पर्याप्त रात दिन से है या सात वर्ष ले?
- लौट संपादी है, तब तो गनीसत है, अगर भागी हूँ और देना हूँ तो
बोलटी में भी जन मिलेगा।
- साल की साल का ही बना, पर कुछ ऐसी गढ़न उस लौटे जी थी कि
उसका बाप उपर, माँ चिलम रही ही।

2. इस कहानी में लैखक ने अनेक मुद्दावरों का प्रयोग किया है।
कहानी में सी पाँच मुद्दावरे - मुनक्कर उनका प्रयोग करते हुए कान्ता
लिखिए।

उत्तर :- तिलमिला उठना (अचानक झड़क जाना) किसान की ठ्यक्केपूर्ण
बातें सुनकर लाला जी तिलमिला उठा।

2. दुम दणकर निरुल भागना (इरचै मारे भाग जाना) बिल्ली के
देखकर घुटा दुम दणकर बिल में भाग गया।

3. ओँखों से झोप्पल होना (गायब दौना) देखते-ही - देखते भगवान
भगवन की भाँखों से झोप्पल ही गए।

4. पीठ होना - (शावाशी देना) परीक्षा में प्रथम स्थान पाने
पर सभी ने पीठन की पीठ होकी।

5. गुस्सा पीना (काँध ढाका लेना) बैदों झोर पुराणों में लिखा है
कि मनुष्य की अपना गुस्सा भी जाना चाहिए।
